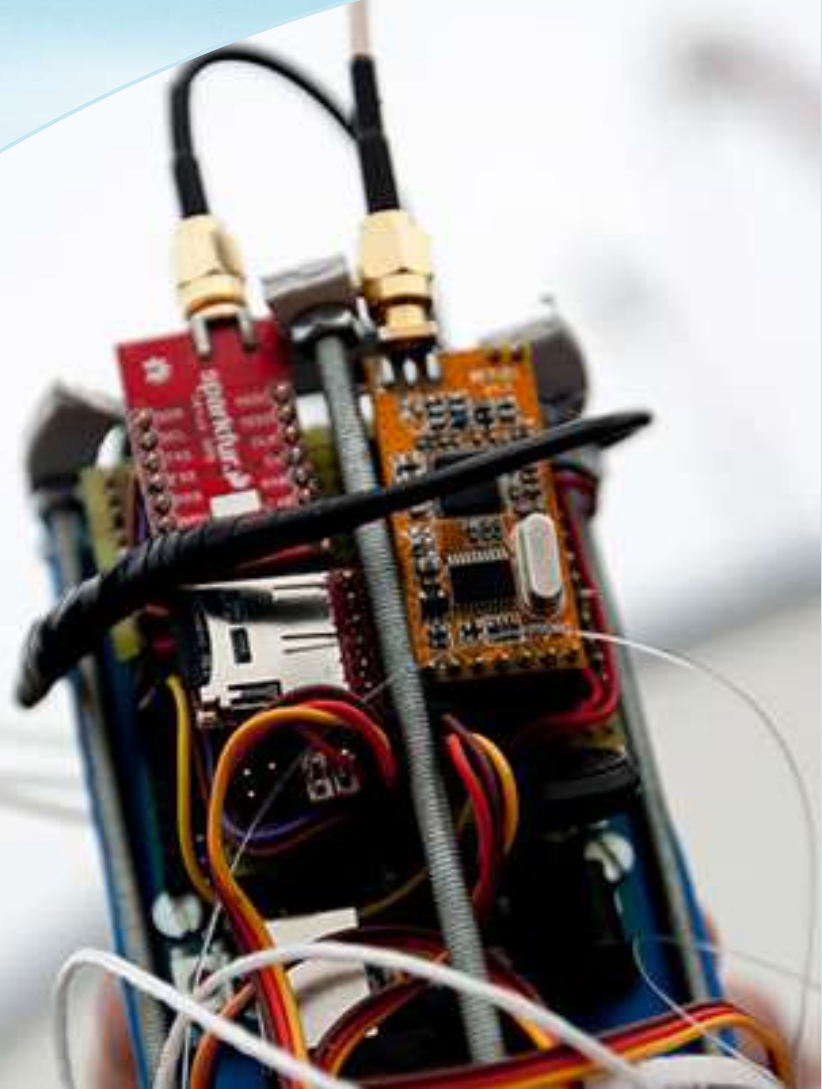
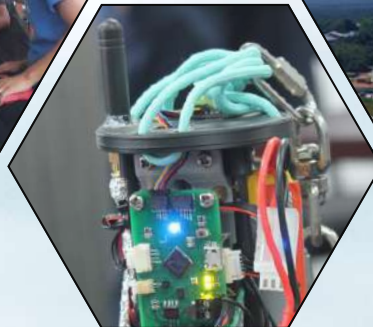




अटल उपग्रह प्रतियोगिता



1. परिचय	3
2. अटल जी को समर्पित	4
3. दिशानिर्देश	5
4. मिशन के उद्देश्य और आवश्यकताएँ	8
5. प्रतियोगिता के चरण	10
6. प्रशिक्षण और मार्गदर्शन	10
7. उपलब्धि	11
8. प्रतियोगिता अवलोकन	12
9. छात्रों को लाभ	14
10. विद्यालयों को लाभ	15
11. प्रतियोगिता समय-सीमा	16
12. समर्थक दृष्टिकोण	17
13. हमारे सहयोगी	17
14. महत्वपूर्ण विवरण	18
15. पंजीकरण दिशानिर्देश	19
16. संपर्क विवरण	21



अटल उपग्रह प्रतियोगिता 2025 (एएससी) भारत में प्रथम स्कूल-स्तरीय उपग्रह डिज़ाइन और विकास प्रतियोगिता है। यह भारत अंतरिक्ष सप्ताह के तत्वावधान में, ज़मीनी स्तर पर अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के अपने व्यापक मिशन के तहत आयोजित की जा रही है।

इस प्रतियोगिता में, छात्र निर्दिष्ट आयामों वाले एक कैन के आकार के मॉडल उपग्रह का डिज़ाइन और विकास करेंगे। उपग्रह को एक निश्चित ऊँचाई पर ड्रोन से छोड़ा जाएगा और पैराशूट प्रणाली का उपयोग करके सुरक्षित रूप से सॉफ्ट-लैंडिंग करनी होगी। अवतरण के दौरान, उपग्रह को एक संचार मॉड्यूल का उपयोग करके ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन को टेलीमेट्री डेटा प्रेषित करना होगा। अनिवार्य डेटा मापदंडों में दबाव, तापमान और ऊँचाई के साथ-साथ टीम द्वारा एकीकृत किसी भी नए सेंसर से प्राप्त डेटा शामिल हैं।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लक्ष्यों का समर्थन करता है, जो व्यावहारिक शिक्षा, रचनात्मकता और अंतरिक्ष विज्ञान एवं इंजीनियरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों से प्रारंभिक परिचय पर जोर देता है। एएससी में भाग लेकर, छात्र टीम वर्क, समस्या-समाधान और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर वैज्ञानिक सिद्धांतों को लागू करने का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करते हैं।

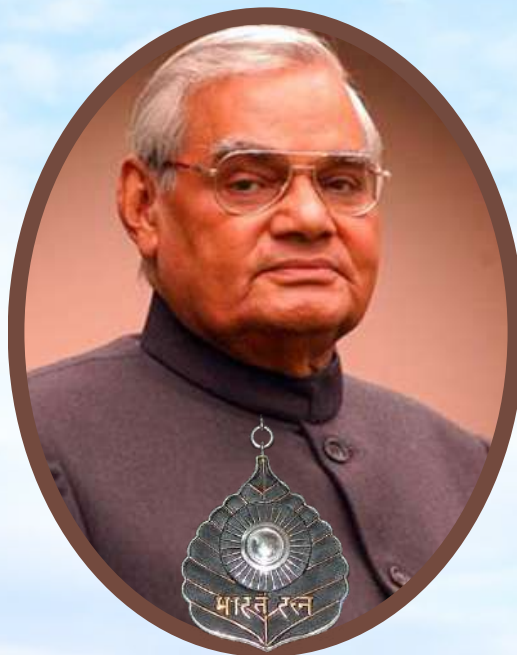


श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को समर्पित

अटल उपग्रह प्रतियोगिता भारत रत्न और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की विरासत को समर्पित है, जिनके नेतृत्व में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक नवाचार के माध्यम से राष्ट्रीय विकास के प्रति गहरी प्रतिबद्धता निहित थी। भारत के लिए उनका दृष्टिकोण साहसिक और परिवर्तनकारी था - एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, दूरदर्शी और विश्व स्तर पर सम्मानित हो।

श्री वाजपेयी का मानना था कि किसी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था या रक्षा में ही नहीं, बल्कि उसके लोगों की बौद्धिक और नवोन्मेषी भावना में भी निहित होती है। उन्होंने वैज्ञानिक प्रगति के लिए अथक प्रयास किए और कई ऐतिहासिक पहलों की नींव रखी जो आज भी भारत के तकनीकी परिदृश्य को आकार दे रही हैं।

**वैज्ञानिक रूप से सक्षम भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाले
दूरदर्शी नेता को हमारा वंदन**



भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी
भारत के पूर्व प्रधान मंत्री

प्रतियोगिता सभी भारतीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए खुली है।

- आवेदकों को टीम के रूप में आवेदन करना होगा। प्रत्येक टीम में न्यूनतम 3 सदस्य और अधिकतम 5 सदस्य होंगे।
- प्रत्येक टीम के साथ उनके विद्यालय से एक संकाय मार्गदर्शक (शिक्षक) होना अनिवार्य है।

संकाय मार्गदर्शक (फैकल्टी मेंटर) की भूमिका:

- टीम और विद्यालय तथा आयोजन समिति के बीच संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करना।
- प्रतियोगिता के दौरान छात्रों की सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करना।
- प्रतियोगिता के दौरान सामान्य मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण प्रदान करना।
- मार्गदर्शक स्वयं कोई डिज़ाइन निर्णय नहीं लेंगे और न ही प्रत्यक्ष तकनीकी समाधान प्रदान करेंगे।



प्रतियोगिता के लिए आवेदन करने वाली टीम को विद्यालय से अनुमोदन पत्र (Approval Letter) प्रस्तुत करना अनिवार्य है, जिसमें सभी टीम सदस्यों के विवरण शामिल हों: जैसे:

- नाम, कक्षा, स्कूल आईडी और टीम में उनकी भूमिका।
- संरक्षक शिक्षक का नाम।
- अनुमोदन पत्र स्कूल के लेटरहेड पर मुद्रित होना चाहिए और प्रधानाचार्य/संस्था प्रमुख द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। पत्र की स्कैन की हुई प्रति पंजीकरण फॉर्म के साथ संलग्न करनी होगी।

टीम में पंजीकरण के बाद किसी भी परिवर्तन की स्थिति में, संरक्षक शिक्षक द्वारा आयोजक को एक आधिकारिक ईमेल कर परिवर्तन का अनुरोध कर सकता है इस ईमेल की विषय लाइन "टीम परिवर्तन अनुरोध - अटल उपग्रह प्रतियोगिता 2025।" होगी

सीडीआर चरण के बाद टीम में किसी भी बदलाव की अनुमति नहीं होगी।



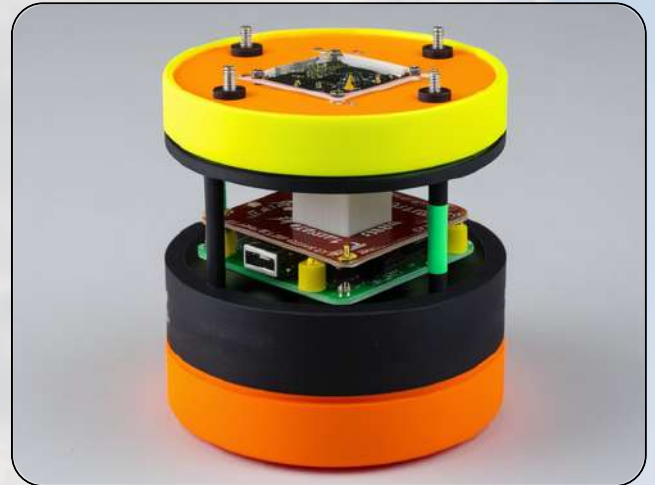
1. बुनियादी आवश्यकताएँ

- मॉडल उपग्रह की अधिकतम ऊँचाई 20 सेमी और अधिकतम व्यास 10 सेमी होना चाहिए।
- कुल द्रव्यमान 500 ग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए।
- मॉडल उपग्रह को दिए गए आकार की सीमाओं के भीतर पूरी तरह से फिट होना चाहिए।
- टीमें किसी भी डिज़ाइन प्रक्रिया और सामग्री का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन सुरक्षा के लिए नुकीले किनारों से बचना चाहिए।
- मॉडल उपग्रह को इस प्रकार डिज़ाइन किया जाएगा: स्वयं या अपने परिवेश को नुकसान पहुँचाए बिना सुरक्षित तैनाती और पुनर्प्राप्ति।
- अनिवार्य ऑनबोर्ड सेंसरों को निम्नलिखित वास्तविक समय डेटासेट रिकॉर्ड और संचारित करने होंगे: तापमान, दबाव और ऊँचाई।
- एकत्रित डेटा को ग्राउंड कंट्रोल सॉफ़्टवेयर (GCS) पर प्राप्त और प्रदर्शित किया जाना चाहिए, जो आयोजकों द्वारा प्रदान किया जाएगा।



2. STRUCTURE REQUIREMENTS

- सभी इलेक्ट्रॉनिक घटक बंद और सुरक्षित होने चाहिए, केवल आवश्यक सेंसर ही खुले होने चाहिए।
- संरचना ड्रोन के गिरने और लैंडिंग के प्रभाव को बिना किसी कार्यात्मक क्षति के झेलने में सक्षम होनी चाहिए।
- उतरते समय अव्यवस्था को रोकने के लिए सर्किट बोर्ड को उचित स्टैंडऑफ़, स्कू या चिपकाने वाले पदार्थ का उपयोग करके लगाया जाना चाहिए।
- पुनर्प्राप्ति सहायता के लिए संरचना पर टीम का नाम, पहचान पत्र और संपर्क विवरण स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए।
- पुनर्प्राप्ति के दौरान आसानी से पहचाने जाने के लिए मॉडल सैटेलाइट पर स्पष्ट चिह्न या फ्लोरोसेंट पेंट होना चाहिए।



3. विद्युत आवश्यकताएँ

- मॉडल उपग्रह में एक संकेतक के साथ एक सुलभ बाहरी बिजली स्विच होना चाहिए।
- बिजली प्रणाली लॉन्च पैड पर कम से कम 1 घंटे के प्रतीक्षा समय के साथ-साथ उड़ान संचालन के लिए पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करेगी।
- टीमों रिचार्जबल बैटरी का उपयोग कर सकती हैं। जैसे Li-ion या Ni-MH। लिथियम पॉलिमर बैटरियों को LiPo Li-ion प्रोटेक्शन बैग (जैसे, 18650-प्रकार) सेल के अलावा अन्य उपकरणों में रखने की अनुमति नहीं है।
- बैटरी कम्पार्टमेंट में बैटरी को पूरी तरह से अलग किए बिना त्वरित स्थापना/निकालने की सुविधा होनी चाहिए।



4. अवतरण और पुनर्प्राप्ति आवश्यकताएँ

- आयोजकों द्वारा निर्दिष्ट ऊँचाई पर ड्रोन से छोड़े जाने के बाद मॉडल उपग्रह को सुरक्षित रूप से अवतरण करना होगा।
- प्राथमिक अवतरण तंत्र पैराशूट या समकक्ष सुरक्षित अवतरण प्रणाली होगी।
- अवतरण दर आंतरिक इलेक्ट्रॉनिक्स को नुकसान पहुँचाए बिना सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करनी चाहिए।
- लैंडिंग के बाद मॉडल उपग्रह कार्यशील स्थिति में होना चाहिए।



5. संचार आवश्यकताएँ

- टीमों को टेलीमेट्री ट्रांसमिशन के लिए लोरा संचार मॉड्यूल का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
- मॉडल उपग्रह अनिवार्य डेटा पैरामीटर (तापमान, दबाव, ऊँचाई) को वास्तविक समय में ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन तक प्रेषित करेगा।

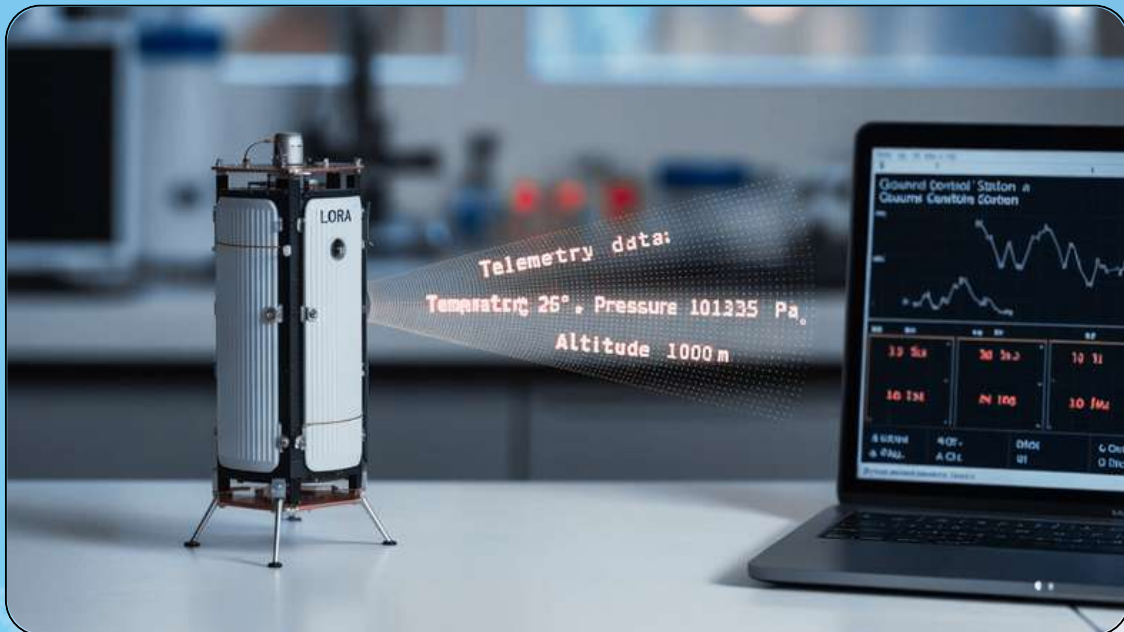
6. ग्राउंड स्टेशन

- ग्राउंड कंट्रोल सॉफ्टवेयर (जीसीएस) आयोजकों द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।
- सभी टेलीमेट्री डेटा वास्तविक समय में एसआई इकाइयों (सेल्सियस, पास्कल, मीटर, आदि) में प्रदर्शित किए जाएँगे।
- टीमों को अपने टेलीमेट्री सिस्टम का उपलब्ध जीसीएस के साथ उचित एकीकरण सुनिश्चित करना होगा।

7. वैकल्पिक उद्देश्य

टीमों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे अपने मॉडल उपग्रह को नवाचारी विशेषताओं से समृद्ध करें, जैसे कि:

- सुगम लैंडिंग के लिए नियंत्रित पैराशूट परिनियोजन तंत्र।
- अवतरण के दौरान चित्र या लाइव वीडियो कैप्चर करने के लिए कैमरा पेलोड।
- वायु गुणवत्ता, यूवी, गैस या कंपन सेंसर जैसे अद्वितीय सेंसर पेलोड।
- छात्र नवाचार पेलोड जैसे मिनी सौर पैनल, पर्यावरण निगरानी सेंसर, या प्रायोगिक मॉड्यूल।

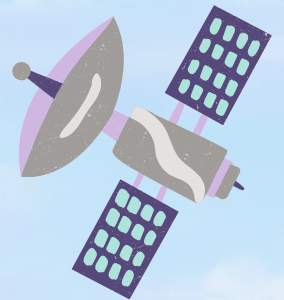


- **क्रिटिकल डिज़ाइन रिव्यू (सीडीआर):** विस्तृत डिज़ाइन, लागत रिपोर्ट और जोखिम योजना प्रस्तुत करना। मूल्यांकन के आधार पर, चयनित टीमों को अगले चरण के लिए अनुमति दी जाएगी।
- **उड़ान तत्परता समीक्षा (एफआरआर):** टीमों को अपने कैनसैट को असेंबल करना होगा और सभी आवश्यक पर्यावरणीय परीक्षण (ड्रॉप टेस्ट, संचार परीक्षण, तापीय परीक्षण और कंपन परीक्षण) करने होंगे। इन परीक्षणों की एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। मूल्यांकन के आधार पर, चयनित टीमों को अंतिम प्रक्षेपण के लिए अनुमति दी जाएगी।
- **अंतिम प्रक्षेपण और उड़ान के बाद की समीक्षा:** चयनित कैनसैट को आयोजकों द्वारा ड्रोन का उपयोग करके प्रक्षेपित किया जाएगा। टीमों लाइव डेटा निगरानी, पैराशूट परिनियोजन जाँच और उड़ान के बाद विश्लेषण करेंगी। विजेताओं की घोषणा कैनसैट के प्रदर्शन के आधार पर की जाएगी।

प्रशिक्षण और मार्गदर्शन

आयोजकों द्वारा सभी पंजीकृत टीमों के लिए अनिवार्य ऑनलाइन कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल होंगी:

- कैनसैट डिज़ाइन पद्धति।
- एवियोनिक्स और सेंसर एकीकरण।
- पैराशूट प्रणाली और तैनाती।
- भौतिक परीक्षण विधियाँ और सुरक्षा सावधानियाँ।
- ग्राउंड कंट्रोल सॉफ़्टवेयर का उपयोग।



पुरस्कार एवं उपलब्धि



पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार

₹ 100000

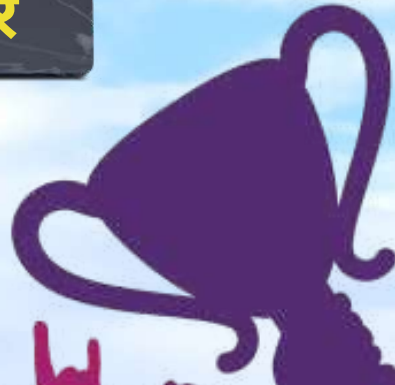
द्वितीय पुरस्कार

₹ 50000

तृतीय पुरस्कार

₹ 25000

पुरस्कार



प्रतियोगिता अवलोकन

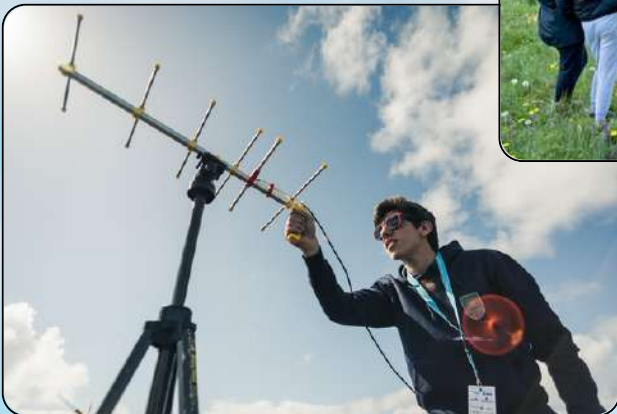
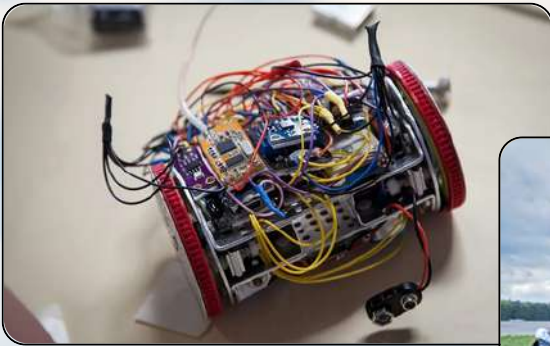
प्रत्येक टीम के लिए ₹11,000/- (ग्यारह हजार रुपये मात्र) का अप्रत्यार्पणीय पंजीकरण शुल्क देय होगा।

इस शुल्क में शामिल हैं:

- ऑनलाइन प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यशालाएँ, जहाँ छात्र उपग्रह प्रणालियों की मूल बातें सीखेंगे, जो प्रतियोगिता के आगे के चरणों में उनकी सहायता करेंगी।
- एक कैनसैट विकास किट जिसमें माइक्रोकंट्रोलर, सेंसर और सहायक घटक शामिल होंगे।
- छात्रों को अपने कैनसैट पेलोड बनाने और एकीकृत करने में मदद करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कक्षाएं और मार्गदर्शन सत्र।



- पंजीकरण की समय-सीमा पूरी होने के बाद, प्रतिभागियों को कैनसैट प्रतियोगिता के लिए एक मिशन आवश्यकता दस्तावेज़ (एमआरडी) प्रदान किया जाएगा।
- टीमों अपने कैनसैट प्रोजेक्ट के समर्थन हेतु प्रायोजन आकर्षित करने हेतु मार्केटिंग अभियान शुरू कर सकती हैं। आयोजन समिति प्रतियोगिता के किसी भी चरण में कॉलेज/लैब विजिट, तकनीकी बातचीत या मार्गदर्शन सत्र भी आयोजित कर सकती है। टीमों को वित्तीय सहायता के लिए संभावित प्रायोजकों या गोद लेने वाली टीम पहलों से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो समिति की स्वीकृति के अधीन है।
- क्रिटिकल डिज़ाइन रिव्यू (सीडीआर) चरण में सफल योग्यता प्राप्त करने के बाद, प्रत्येक टीम को अपना फ़्लाइट रेडिनेस रिव्यू (एफआरआर) दस्तावेज़ प्रस्तुत करना होगा। फ़्लाइट रेडिनेस रिव्यू के बाद, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों को आयोजकों द्वारा उपलब्ध कराए गए लॉन्चरों का उपयोग करके ग्रैंड फ़िनाले में अपने कैनसैट लॉन्च करने की अनुमति दी जाएगी। विजेताओं का निर्णय लेने के लिए उड़ान के बाद प्रदर्शन समीक्षा की जाएगी। आगे के दिशानिर्देश, प्रशिक्षण कार्यक्रम और मूल्यांकन मानदंड यथासमय सूचित किए जाएंगे।



- **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का व्यावहारिक अनुभव**

- छात्र लघु उपग्रहों के डिज़ाइन और विकास में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं, जिससे उन्हें एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के वास्तविक-विश्व अनुप्रयोगों से परिचित कराया जाता है।

- **NEP 2020 के लक्ष्यों के साथ संरेखण**

- यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुभवात्मक अधिगम, अंतःविषय शिक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों से शीघ्र परिचय पर दिए गए ज़ोर का समर्थन करती है।

- **STEM में कौशल विकास**

- प्रतिभागी संरचित परियोजना कार्य और तकनीकी चुनौतियों के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की अपनी समझ को बढ़ाते हैं।

- **टीम वर्क और नेतृत्व**

- टीमों में काम करने से सहयोग, संचार और नेतृत्व कौशल विकसित होते हैं—जो शैक्षणिक और व्यावसायिक सफलता के लिए आवश्यक गुण हैं।

- **मार्गदर्शन और सलाह**

- छात्रों को शिक्षकों और तकनीकी विशेषज्ञों से मार्गदर्शन मिलता है, जिससे उन्हें जटिल अवधारणाओं को समझने और अपनी समस्या-समाधान क्षमताओं में सुधार करने में मदद मिलती है।

- **शैक्षणिक मान्यता**

- राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्रों के शैक्षणिक प्रोफाइल में मूल्यवर्धन होता है और उच्च शिक्षा और छात्रवृत्ति में भविष्य के अवसरों में सहायता मिल सकती है।

- **पुरस्कार और प्रोत्साहन**

- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों को मान्यता और मौद्रिक पुरस्कार के लिए पात्र हैं, जिससे छात्रों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की प्रेरणा मिलती है।

• संस्थागत प्रतिष्ठा

- राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने से विद्यालय की नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाली प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

• संकाय सहभागिता

- शिक्षक, जो मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत होते हैं, उन्हें उभरती तकनीकों और विभिन्न विषयों के समन्वित शिक्षण विधियों का अनुभव मिलता है, जो उनके व्यावसायिक विकास को समृद्ध करता है।

• STEM संस्कृति को बढ़ावा

- विद्यालयों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के प्रति उत्साह और नवाचार की भावना का संवर्धन होता है, जो देश के शैक्षणिक और तकनीकी लक्ष्यों के अनुरूप है।

• नेटवर्किंग और सहयोग

- भागीदारी अंतरिक्ष विज्ञान और शिक्षा से जुड़े अन्य संस्थानों, विशेषज्ञों और संगठनों के साथ सहयोग के अवसर खोलती है।

• छात्र प्रेरणा और प्रतिधारण

- प्रतियोगिता में भागीदारी से अंतरिक्ष विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों, विशेषज्ञों और संगठनों के साथ संयुक्त प्रयासों और सहयोग के अवसर प्राप्त होते हैं।

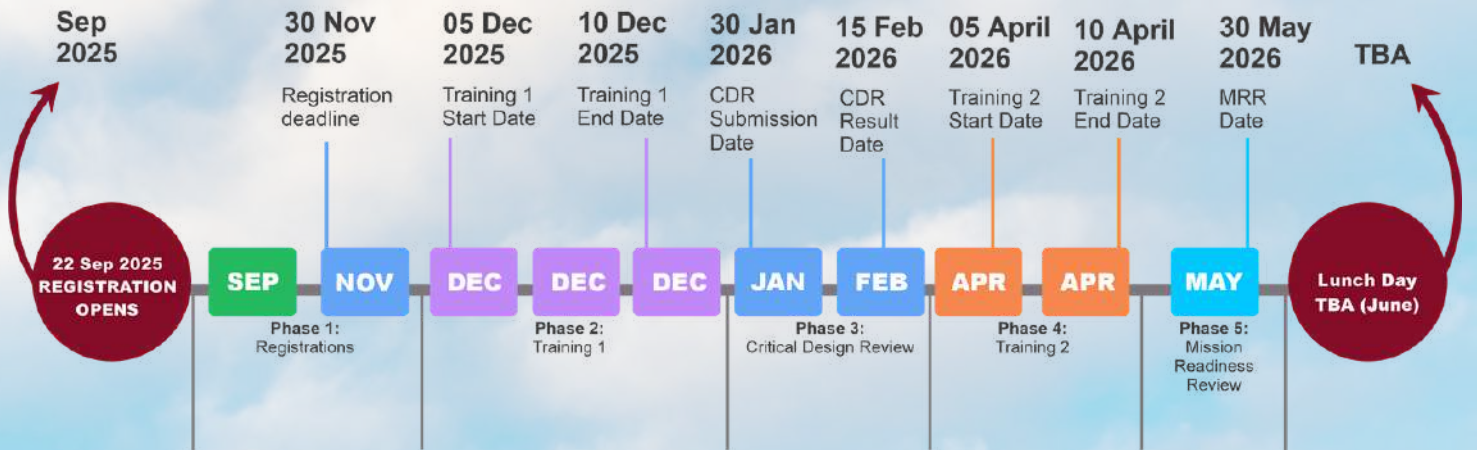
• पाठ्यक्रम लक्ष्यों के साथ एकीकरण

- यह प्रतियोगिता मौजूदा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों का पूरक है, और कक्षा शिक्षण के व्यावहारिक विस्तार प्रदान करती है।



क्र.सं.	गतिविधि	प्रारंभ तिथि	समाप्ति तिथि
1	पंजीकरण	22 सितम्बर 2025	30 नवंबर 2025
2	प्रशिक्षण - 1	05 दिसंबर 2025	10 दिसंबर 2025
3	CDR प्रस्तुति	30 जनवरी 2026	30 जनवरी 2026
4	प्रशिक्षण - 2	05 अप्रैल 2026	10 अप्रैल 2026
5	मिशन रेडीनेस समीक्षा	30 मई 2026	30 मई 2026
6	लॉन्च	टीबीए (जून)	टीबीए (जून)

ATAL SATELLITE COMPETITION - 2025 COMPETITION TIMELINE





विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी मंत्रालय
MINISTRY OF
SCIENCE AND
TECHNOLOGY

सत्यमेव जयते



हमारे सहभागी



- माइक्रोकंट्रोलर
- Arduino नैनो
- Raspberry Pi Pico
- ESP32
- BLE
- एक्ट्यूएटर्स
- सर्वो मोटर्स
- सेंसर
- MPU6050
- BMP280
- GPS NEO-6M
- पावर
- लिथियम-आयन सेल
- संचार
- LoRa मॉड्यूल
- बॉडी फ्रेम
- 3D प्रिंटेड
- कार्डबोर्ड
- नवीन सामग्री



Parachute
Compartment

Electronics
Sensors/Microcontroller/
GPS etc

Battery
Compartment



ASC कार्यक्रम में सफल और पूरी तरह से पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए कृपया निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें और सभी आवश्यक जानकारी सही-सही भरें।

भाग 1: टीम विवरण

- अपनी टीम और विद्यालय के बारे में निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें :
 - टीम का नाम: अपनी टीम के लिए एक अनोखा और उपयुक्त नाम चुनें।
 - विद्यालय का नाम: भाग लेने वाले विद्यालय का पूरा नाम लिखें।
 - विद्यालय का पता: सड़क, शहर, राज्य और पिन कोड सहित पूरा पता दें।
 - प्रधानाचार्य का नाम: विद्यालय के प्रधानाचार्य का पूरा नाम लिखें।

भाग 2: संरक्षक विवरण

- प्रत्येक टीम में एक नामित संरक्षक होना अनिवार्य है। कृपया जानकारी प्रदान करें :
 - नाम: संरक्षक का पूरा नाम।
 - पद: भूमिका या उपाधि (जैसे, शिक्षक, समन्वयक)।
 - लिंग: पुरुष/महिला/अन्य।
 - मोबाइल नंबर: सक्रिय संपर्क नंबर।
 - ईमेल आईडी: संचार के लिए मान्य ईमेल पता।
 - फोटो: हाल ही का पासपोर्ट आकार का फोटो (जेपीईजी/पीएनजी प्रारूप)।
 - हस्ताक्षर: डिजिटल या स्कैन किए गए हस्ताक्षर।
 - पहचान प्रमाण संख्या: सरकार द्वारा जारी वैध पहचान पत्र (जैसे, आधार, पैन, पासपोर्ट)।

भाग 3: टीम के सदस्यों का विवरण

- प्रत्येक टीम में 3 से 5 छात्र सदस्य हो सकते हैं। प्रत्येक सदस्य के लिए, निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:
 - नाम: स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार पूरा नाम।
 - लिंग: पुरुष/महिला/अन्य।
 - कक्षा: वर्तमान शैक्षणिक कक्षा/ग्रेड।
 - विद्यार्थी पहचान संख्या: स्कूल द्वारा जारी विशिष्ट पहचान पत्र।
 - फोटो: हाल ही का पासपोर्ट आकार का फोटो (JPEG/PNG प्रारूप)।

नोट: सदस्यों की न्यूनतम संख्या 3 और अधिकतम 5 है।

जमा करने के निर्देश

- सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विवरण स्पष्ट और सही हो।
- सभी फोटो और हस्ताक्षर निर्दिष्ट रूप में संलग्न करना अनिवार्य है।

महत्वपूर्ण अनुस्मारक

- अपूर्ण या त्रुटिपूर्ण फॉर्म के कारण टीम को अयोग्य घोषित किया जा सकता है।
- सभी जानकारी सत्यापित होनी चाहिए।
- सबमिशन की अंतिम तिथि का पालन अनिवार्य है।
- प्रत्येक विद्यालय केवल एक ही टीम प्रस्तुत कर सकता है।

प्रतियोगिता शुल्क

₹11000 प्रति टीम

पंजीकरण शुल्क: ₹1000

प्रशिक्षण शुल्क: ₹5000

सामग्री-संग्रह शुल्क: ₹5000

*** नॉन रिफंडेबल ***

आरंभ तिथि : 22 सितंबर 2025

समाप्ति तिथि : 30 नवंबर 2025, रात 11:55 बजे तक

पंजीकरण लिंक : https://asc.ind.in/registration_form/

सम्पर्क करने का विवरण

इंडिया स्पेस वीक (मुख्यालय)

बीए/14बी, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

ईमेल: contact@asc.ind.in

फ़ोन नंबर: 011-44749707

मोबाइल नंबर: 7290071471, 81303 17917

वेबसाइट: www.asc.ind.in, www.indiaspaceweek.org

इंडिया स्पेस वीक "क्षेत्रीय कार्यालय"

(मध्य पूर्वी क्षेत्र)

पी- स्क्वायर मॉल, सिविल लाइंस, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211002

शामिल राज्य - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार,

झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल

फ़ोन नंबर: 0532-4031244, 9454394963

ईमेल: up@indiaspaceweek.org

"अटल जी की चंद्रयान-1 की दूरदृष्टि से लेकर मोदी जी की चंद्रयान-3 की सफलता तक — भारत की यह चन्द्रमा तक की यात्रा हर युवा मन को प्रेरित करती है।"

